Home / Home
वाचा का दूत

वाचा का दूत

हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो। आइए, हम मिलकर परमेश्वर के वचन का अध्ययन करें।

मलाकी 3:1
“देखो, मैं अपने दूत को भेजता हूँ, और वह मेरे आगे मार्ग तैयार करेगा। तब वह प्रभु, जिसे तुम ढूँढ़ते हो, अचानक अपने मंदिर में आ जाएगा; हाँ, वाचा का वह दूत जिसे तुम चाहते हो—देखो, वह आ रहा है, सेनाओं का यहोवा कहता है।”

मनुष्य के उद्धार के लिए परमेश्वर की योजना दो भागों में विभाजित है—
पुरानी वाचा (या पहली वाचा) और नई वाचा (या दूसरी वाचा)।

यह सामान्य बात है कि किसी जीवित वस्तु की पूर्णता के लिए दो भाग होते हैं, और अक्सर उनमें से एक भाग दूसरे से अधिक शक्तिशाली होता है। उदाहरण के लिए, मनुष्य का शरीर दो समान भागों में विभाजित है—दायाँ और बायाँ। इसलिए हम देखते हैं कि

मनुष्य के दो पैर, दो आँखें, दो हाथ आदि होते हैं।

यदि आप ध्यान से देखें तो पाएँगे कि इन दोनों भागों में से एक अधिक प्रभावशाली होता है। उदाहरण के लिए, अधिकांश लोग एक ही हाथ से बेहतर लिख सकते हैं; यदि वे दूसरे हाथ से लिखने का प्रयास करें तो कठिनाई होती है। उसी प्रकार व्यक्ति अक्सर उसी ओर के पैर से अधिक बल से ठोकर मार सकता है जिस ओर का हाथ वह लिखने के लिए उपयोग करता है।

लेकिन जब दोनों भाग मिलकर कार्य करते हैं, तब शक्ति अधिक हो जाती है। जैसे कोई व्यक्ति दोनों हाथों से कोई वस्तु उठाता है तो वह अधिक सफल होता है, बनिस्बत एक हाथ से उठाने के।

ठीक इसी प्रकार बाइबल भी दो मुख्य भागों में विभाजित है—पुराना नियम और नया नियम।
नया नियम सामर्थ और प्रभाव में पुराने नियम से अधिक महान है, फिर भी परमेश्वर की योजना को पूरा करने के लिए दोनों आवश्यक हैं। जैसे हम यह नहीं कह सकते कि हमें बाएँ हाथ की आवश्यकता नहीं क्योंकि वह दाएँ से कमज़ोर है, या बाएँ पैर की आवश्यकता नहीं क्योंकि वह दाएँ से कमज़ोर है—नहीं। दोनों का अपना महत्व है।

पुरानी वाचा का दूत

पुरानी वाचा का दूत नबी मूसा था, जिसे परमेश्वर ने व्यवस्था और आज्ञाएँ देकर इस्राएलियों को सिखाने के लिए भेजा। वे व्यवस्थाएँ पत्थरों और पटियों पर लिखी गई थीं।

मूसा ने उपदेश दिया:

मनुष्य को व्यभिचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि व्यवस्था कहती है—“व्यभिचार न करना।”
मनुष्य को चोरी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि व्यवस्था कहती है—“चोरी न करना।”

अर्थात् परमेश्वर की आज्ञाओं को जानने के लिए लिखित व्यवस्था थी। कहीं लिखा हुआ था—“व्यभिचार न करना।” इसलिए लोग व्यभिचार नहीं करते थे।

यही पहली वाचा थी—जहाँ व्यवस्था लिखी हुई थी।

नई वाचा का दूत

लेकिन दूसरी वाचा का दूत यीशु मसीह है, जैसा कि लिखा है:

इब्रानियों 12:24
“और यीशु के पास, जो नई वाचा का मध्यस्थ है, और उस छिड़के हुए लहू के पास, जो हाबिल के लहू से बढ़कर बातें करता है।”

यीशु परमेश्वर की व्यवस्था पत्थरों या पटियों पर नहीं लिखते जैसे मूसा ने किया था।
बल्कि वे मनुष्यों के हृदय की गहराइयों में उसे लिखते हैं।

इसका अर्थ यह है कि यदि कोई व्यक्ति यह जानना चाहता है कि कोई पाप परमेश्वर को अप्रिय है, तो उसे हर बार किसी लिखित नियम को देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। परमेश्वर की व्यवस्था उसके हृदय में गवाही देती है।

मनुष्य के भीतर एक आवाज़ उसे सिखाती है कि क्या परमेश्वर को प्रिय है और क्या नहीं। परमेश्वर की व्यवस्था उसके हृदय में लिखी हुई होती है।

तब मनुष्य स्वाभाविक रूप से परमेश्वर की इच्छा पूरी करता है, बिना किसी दबाव या बाहरी नियमों के।

एक उदाहरण

यह उस व्यक्ति के समान है जो मानसिक रूप से परिपक्व है। उसे यह समझाने के लिए हर दिन जीवविज्ञान की पुस्तक पढ़ने की आवश्यकता नहीं कि पसीना आने के बाद उसे स्नान करना चाहिए और कपड़े बदलने चाहिए।

वह स्वयं समझता है कि स्वच्छ रहना आवश्यक है।

उसे कोई हर समय उपदेश नहीं देता कि “स्नान करो।”
न ही उसे बार-बार याद दिलाया जाता है।

वह स्वयं स्वच्छ रहना चाहता है।

नई वाचा इसी प्रकार कार्य करती है

नई वाचा मनुष्य को प्रेरित करती है कि वह पवित्र जीवन जीए—बिना किसी ज़बरदस्ती के।

वह मनुष्य को सिखाती है कि वह संसार की गंदगी से दूर रहे—

व्यभिचार, अपमान, चोरी, अनैतिकता और अन्य पापों से।

यह वाचा मनुष्य को प्रेरित करती है कि वह प्रतिदिन परमेश्वर के वचन और प्रार्थना के द्वारा अपनी आत्मा को शुद्ध करे।

जो लोग इस वाचा में प्रवेश करते हैं, वे मसीह की व्यवस्था को अपने हृदय में पूरा करते हैं, और यह सब पवित्र आत्मा के द्वारा होता है।

यह भविष्यवाणी कहाँ की गई थी?

इब्रानियों 8:8-13

“देखो, वे दिन आते हैं, प्रभु कहता है, जब मैं इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने के साथ नई वाचा बाँधूँगा।
यह उस वाचा के समान न होगी जो मैंने उनके पूर्वजों के साथ बाँधी थी…

मैं अपनी व्यवस्थाएँ उनके मन में रखूँगा,
और उन्हें उनके हृदयों पर लिखूँगा।
और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा,

और वे मेरे लोग होंगे…

क्योंकि मैं उनकी अधर्मताओं को क्षमा करूँगा,
और उनके पापों को फिर स्मरण न करूँगा।”

यही नई वाचा है।

यदि आप बाइबल में यह खोजते रहते हैं कि कहाँ लिखा है कि धूम्रपान मत करो, या कहाँ लिखा है कि अमुक पाप मत करो—तो इसका अर्थ है कि यह वाचा अभी आपके भीतर पूर्ण रूप से कार्य नहीं कर रही।

क्योंकि जब यह वाचा आपके हृदय में होती है, तब परमेश्वर की आत्मा आपको भीतर से सिखाती है कि क्या सही है और क्या गलत।

क्या आप आज इस वाचा में प्रवेश करना चाहते हैं?

इस वाचा का एक दूत है—यीशु मसीह।
पहले आपको उन्हें स्वीकार करना होगा।

यदि आप उन्हें स्वीकार करते हैं और वे आपके भीतर आते हैं, तो वे सब पुरानी बातों को दूर करके आपको नया बना देंगे।

वे पवित्र आत्मा के द्वारा आपकी समझ खोल देंगे, और तब परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना कठिन नहीं लगेगा।

उद्धार की प्रार्थना

यदि आप चाहते हैं कि आज यह दूत आपके जीवन में आए, तो कुछ समय अलग होकर घुटनों के बल बैठें और विश्वास के साथ यह प्रार्थना करें:

**“हे परमेश्वर पिता,
मैं आपके सामने आता हूँ, यह स्वीकार करते हुए कि मैं पापी हूँ और मैंने अनेक पाप किए हैं। मैं आपके न्याय के योग्य हूँ।

परन्तु आपकी वाणी कहती है कि आप दयालु परमेश्वर हैं, जो आपसे प्रेम करने वालों पर दया करते हैं।

आज मैं आपके पास आता हूँ और आपसे क्षमा और सहायता माँगता हूँ। मैं अपने सारे पापों से सच्चे मन से पश्चाताप करता हूँ।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यीशु मसीह प्रभु हैं और वही संसार के

उद्धारकर्ता हैं।

इसलिए मैं प्रार्थना करता हूँ कि आपके पवित्र पुत्र का लहू मुझे अभी शुद्ध करे और आज से मैं एक नई सृष्टि बन जाऊँ।

धन्यवाद प्रभु यीशु, कि आपने मुझे स्वीकार किया और मुझे क्षमा किया।

आमीन।”**

यदि आपने यह प्रार्थना विश्वास के साथ की है, तो अब आपको अपने पश्चाताप को कर्मों से प्रमाणित करना चाहिए—पापों को छोड़कर और परमेश्वर के मार्ग में चलकर।

एक ऐसी कलीसिया खोजिए जहाँ सच्चे विश्वासियों के साथ आप आत्मा और सत्य में परमेश्वर की आराधना कर सकें, बाइबल सीख सकें, और यीशु मसीह के नाम में जल बपतिस्मा प्राप्त कर सकें।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp